नई सोच, नया आयाम

जोहार छत्तीसगढ़

RNI No. CHHHIN/2009/35020

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 226 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, शनिवार 25 जून 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

खाद नहीं मिलने से नाराज मोहभट्ठा के किसानों ने किया प्रदर्शन ...

पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति का हुआ चुनाव

पेज -4 पर

एक नजर

छत्तीसगढ़ के सांसद बने द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावक रामविचार, रेणुका सिंह और संतोष पांडे ने किए हस्ताक्षर

नेताम बोले-आजादी के 75 साल बाद सम्मान मिला

रायपुर। देश के राष्ट्रपति पद के लिए NDA की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगी। इस पहले गुरुवार को मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी मुर्मू के नामांकन पत्र में पहले प्रस्तावक हैं। छत्तीसगढ़ से बीजेपी सांसद भी प्रस्तावकों में शामिल हैं। इनमें राम विचार नेताम, संतोष पांडे और केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह का नाम है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के घर पर गुरुवार को प्रस्तावक और समर्थक के तौर पर मुर्मू के नामांकन पत्र पर इन नेताओं ने हस्ताक्षर किए। द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद उम्मीदवार बनाई जाने पर राम विचार नेताम ने कहा- एनडीए गठबंधन से द्रौपदी मूर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचा। आज़ादी के 75 साल बाद हमारे आदिवासी समाज को सम्मान मिला है ।

दिव्यांग बच्चे को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता की हुई सराहना

रायपुर। केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने की शिरकतनई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने शिरकत की। इस मौके पर बोर्ड के सदस्यों द्वारा बोरवेल में गिरे एक दिव्यांग बच्चे के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे

बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से की गयी पहल की सराहना की गयी। बैठक में मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने जिला पुनर्वास केन्द्रों को जिला चिकित्सालय के अनुरूप विकसित करने, कोरोना से प्रभावित दिव्यांगजनों के ऋण माफ करने सहित अन्य मुद्दों की ओर बोर्ड का ध्यान आकर्षित कराया। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने की। इस मौके पर विभिन्न राज्यों के मंत्री भी उपस्थित रहे।

बोर्ड की बैठक में मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने कहा कि जिला पुनर्वास केंद्र दिव्यांगजनों के

केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने की शिरकत

सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत संवेदनशील एवं आवश्यक संस्थान है। इसे जिला चिकित्सालय के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा यदि केंद्र सरकार सहयोग देती है तो इसके लिए राज्य शासन निशुल्क भूमि और संसाधन उपलब्ध कराएगी।

बैठक में मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने दिव्यांगजनों से दबाव डाल कर ऋण की राशि वसूलने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कोविड जैसी आपदा में कई दिव्यांगजनों के रोजगार प्रभावित हुए हैं।

क्षेत्र में बन रहे सड़क घटिया निर्माण की चढ़ा भेंट

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के शह पर पेटी ठेकेदार अन्ना कर रहा घटिया निर्माण

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

अधिकारियों के शह पर घटिया निर्माण कोई नई बात नहीं है। लेकिन अभी तो घटिया निर्माण का हद पार हो गया। लोक निर्माण विभाग धरमजयगढ़ के अधिकारियों के सामने अरबों रुपये से हो रहे निर्माण कार्यों में चुना पोता जा रहा है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी देखकर भी क्यों मौन व्रत साधे हुए हैं समझ से परे हैं। हम बात कर रहे हैं धरमजयगढ़ क्षेत्र में बन रहे सड़क का, जो घटिया निर्माण का भेंट चढ़ रहा है। बता दें कि खरसिया से पत्थलगांव तक सड़क निर्माण की स्वीकृति हुई और कार्य भी चालू है। उक्त सड़क निर्माण का ठेका श्री जी इंफ्रास्ट्रक्चर कम्पनी भोपाल को मिला है। जिसे पेटी ठेका लेकर दूसरे ठेकेदारों द्वारा कार्य किया जा रहा है। जिनके द्वारा घटिया निर्माण किया जा रहा है। खरसिया रोड में काजल ढाबा के पास बने पाइप पुलिया में क्रेक पाइप को लगा दिया गया है। जिसके बारे में विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया तो बदलने की बात कही। लेकिन बाद में सब लीपापोती कर दी गई। उसके बाद कोदवारीपारा में सड़क किनारे हो रहे घटिया नाली निर्माण के बारे में अवगत कराया गया। जिसे भी बाद में सीमेंट घोल डालकर ढक दिया गया। पत्थलगांव मार्ग में बाबा फ्यूल्स के सामने बना पाइप पुलिया में दोनों तरफ दरार पड़ गया है। यदि सही तरीके से देखा जाए तो और भी कई जगहों पर घटिया निर्माण दिख जाएगा।

दरार पड़े पाइप पुलिया को तोडकर किया जायेगा नया निर्माण

घटिया निर्माण के संबंध में जब धरमजयगढ़ में उच्च अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की जाती है तो ऑफिस में अनुपस्थित रहते हैं। तब विभाग को पूरी तरह संभालने वाले सब इंजीनियर चौहान से मोबाइल से संपर्क किया गया। तब चौहान ने बताया कि बने पाइप पुलिया में दरार आने की जानकारी मिली है पुलिया को तोड़वा कर दोबारा नए पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। हम आपको बता दे कि श्री जी इंफ्रास्ट्रक्चर कम्पनी द्वारा पुल-पुलिया का पेटी ठेका किसी अन्ना नाम का ठेकेदार को दिया गया है। पेटी ठेकेदार अन्ना द्वारा निर्माण कार्य को भ्रष्टाचार का भेट चढ़ाया जा रहा है। और विभागीय अधिकारी इन भ्रष्टाचारियों का खुला कर साथ दे रहा है। जिसका नतीजा है कि पुल-पुलिया बनने से पहले ही टूटने लगा है। अब देखना है कि क्या विभागीय अधिकारी घटिया निर्माण पर रोक लगाते है की नहीं।

विभागीय अधिकारी नहीं करते भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही?

मजेदार बात है कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी घटिया निर्माण करने वालों पर कार्यवाही नहीं करते हैं। जिसका नतीजा है कि धरमजयगढ़ में लोक निर्माण विभाग द्वारा जितने भी निर्माण कार्य करवाया जा रहा है सभी कार्य निम्न स्तर का किया जा रहा है और विभागीय अधिकारी जिला मुख्यालय में बैठ कर बिल पास कर रहे हैं।

अवैध कोल डिपो में खनिज विभाग की रेड-

यहां से राखड़ मिलाकर सप्लाई किया जाता था कोयला, 40 लाख का माल जब्त

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में खनिज विभाग ने अवैध कोल डिपो में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने अचानक रेड मारकर 40 लाख रुपए का अवैध कोयला जब्त किया है। बताया जा रहा है कि राखड़ मिलाकर यहां से कोयला सप्लाई किया जा रहा था। जिसकी शिकायत प्रशासन को मिली थी। जिसके बाद यह पूरी कार्रवाई की गई है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, चांपा के उच्चभिट्ठी गांव में अवैध रूप से कोल डिपो संचालित किया जा रहा था। यहां अलग-अलग कोल माइंस से कोयला लाकर पहले स्टोर किया जाता था। इसके बाद ट्रांसपोर्टर इसे अलग-अलग प्लांट में सप्लाई करते थे। पता चला है कि ट्रांसपोर्टर यहीं पर सप्लाई करने से पहले कोयले में आधा राखड़ और बजरी मिला देते था। इसके

बाद इसे संबंधित प्लांट को भेजा जाता था। यह पूरा काम मुनाफा कमाने के लिए किया जा रहा था।

कर्मचारी भाग निकले

इस बात की शिकायत कलेक्टर जितेंद्र शुक्ला से की गई थी। शिकायत के आधार पर ही शुक्रवार को खनिज विभाग की टीम ने यहां दबिश दी और पूरी कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि जैसे ही अधिकारी डिपो में पहुंचे, काम कर रहे कर्मचारी वहां से भाग निकले थे। इसके बाद टीम ने पूरी कार्रवाई शुरू की और अंदर रखा लगभग 40 लाख रुपए का अवैध कोयला जब्त किया है। ये करीब 34 ट्रेलर में यहां रखा गया था। प्रशासन की यह कार्रवाई अभी जारी है। वहीं अभी यह पता नहीं चल सका है कि इस अवैध काम के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। डिपो के ऑफिस को भी सील कर दिया गया है।

FIR दर्ज की गई

इस मामले को लेकर कलेक्टर जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अवैध कोल डिपो संचालित किया जा रहा है। इसलिए वहां टीम को भेजा गया था।

सरेआम शराब पिलाते 5 गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए अवैध रूप से शराब पिलाते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार सेजबहार पुलिस के टीम ने ठेला में अवैध रूप से शराब पिलाते आरोपी अनिल महानंद 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी खेमलाल साहू 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने ग्राम मानिकचौरी में शराब पिलाते हुए आरोपी पिताम्बर यादव 50 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खरोरा पुलिस ने आरोपी चंदन डहरिया 32 वर्ष व पूनाराम वर्मा 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

रायपुर में भाजपा पार्षदों का हंगामा

नल कनेक्शन में घटिया काम, स्मार्ट सिटी योजना में घोटाले का आरोप लगाकर की नारेबाजी

रायपुर. रायपुर नगर निगम के मुख्यालय को भाजपा पार्षदों ने घेर दिया। शुक्रवार को बड़ी तादाद में अलग-अलग वार्ड के पार्षद अपने समर्थकों के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी करने लगे। इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा के जिला स्तर के नेता भी शामिल हुए।

रायपुर नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने बताया कि नगर निगम प्रशासन जनता को सुविधा देने के मामले में कोई काम नहीं कर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमृत मिशन योजना के तहत बेहद स्तरहीन कार्य चल रहा है , प्रधानमंत्री आवास योजना और स्मार्ट सिटी योजना में घोटाले हो रहे हैं, शहर में जल संकट है

कई इलाकों में जलभराव हो रहा है। मगर निगम प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा।

इन्हीं मुद्दों को लेकर शुक्रवार की दोपहर नगर निगम मुख्यालय पहुंचे पार्षदों ने नगर निगम के गेट के बाहर बैठ कर नारेबाजी शुरू कर दी। सब ने हाथ में अलग-अलग नारे लिखी तख्तियां ले रखी थी। सभी ने महापौर एजाज ढेबर पर लोगों के हितों के लिए काम न करने के आरोप लगाए।

लोकार्पण... नवा रायपुर के सेक्टर 26 में 6 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित है पांच मंजिला भवन

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित आवासीय परिसर का किया लोकार्पण

रायपुर। नवा रायपुर के सेक्टर 26 में 6 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित है पांच मंजिला भवनमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नवा रायपुर स्थित सेक्टर 26 में छत्तीसगढ़ राज्य वन निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए 5.96 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित पांच मंजिला भवन का वर्चुअल रूप से लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने की।

आज यहां राजधानी स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल को छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम की ओर

से वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर तथा राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष एवं विधायक बसना श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा वर्ष 2020-21 के लाभांश एवं लीज रेंट 2.10 करोड़ रूपए का चेक भी सौपा गया। इनमें निगम के लाभांश के रूप में एक करोड़ 11 लाख रूपए का लीज रेंट के रूप में 99 लाख रूपए की राशि शामिल है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राज्य वन विकास निगम के नवनिर्मित आवासीय परिसर का लोकार्पण करते हुए कहा कि इस भवन के बन जाने से विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के गठन के 21 वर्षों के बाद निगम द्वारा अपने स्वयं की आय से विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए पांच मंजिला भवन बनाया गया है। इसके लिए उन्होंने निगम को विशेष रूप से बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गो के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेनों की वजह से जनता परेशान

मंत्री रविन्द्र चौबे बोले-बीजेपी के 10 सांसद हैं, मगर रद्द ट्रेनों के मसले पर कोई नहीं बोलता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 35 ट्रेन रद्द हैं। इसे लेकर अब सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हैं। सरकार की ओर से इस मामले में मंत्री रविन्द्र चौबे ने बयान दिया है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के 10 सांसद हैं। मगर एक ने भी इस मसले पर केंद्र सरकार से बात नही की। जनता से जुड़े इस मामले में केंद्र को पत्र लिखने के लिए भाजपा नेताओं की कलम क्यों सूख जाती है, समझ नहीं आता।

रविन्द्र चौबे ने आगे कहा कि देश मे बिजली और कोयला का संकट पैदा किया जा रहा है। ट्रेन बंद होने की वजह से जनता परेशान हो रही है। कोरोना काल मे

भी इसी तरह की परेशानी आई तो लाखों श्रमिक पैदल निकल पड़े थे। केंद्र की सरकार की नीतियां विफल है और आम आदमी परेशान हो रहा है। रेलवे ने मार्च महीने से बंद 35 ट्रेनों को अब 9 जुलाई तक कैंसिल करने का आदेश जारी किया है। ट्रेनों को कैंसिल करने के लिए रेलवे ने न तो कोई कारण बताया है और न ही यात्रियों की सुविधा के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की है।

रद्द होने वाली एक्सप्रेस गाड़ियां

25 जून से 9 जुलाई तक बिलासपुर एवं भोपाल से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18236/18235 बिलासपुर-भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

24 जून से 8 जुलाई तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

25 जून से 9 जुलाई तक रीवा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18248 रीवा -बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

महाराष्ट्र में महाभारतः आखिर क्या होगा सरकार का भविष्य ?

इन दिनों महाराष्ट्र में सियासी उठापटक पर देश की नजरें लगी हैं। शिवसेना में एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बाद पार्टी साफ साफ दो धड़ों में बंटती दिख रही है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पार्टी में विद्रोह से आहत हैं और इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं और एकनाथ शिंदे का गुट पार्टी से अलग होने के लिए छटपटा रहा है। ऐसे में आम मतदाता और राजनीतिक जानकारों के लिए राजभवन से संचालित गतिविधियां दिलचस्पी का विषय हो सकती हैं।

क्या प्रदेश में नए मुख्यमंत्री और गठबंधन की सरकार बनेगी? क्या मौजूदा नेतृत्व येन केन प्रकारेण सरकार बचा लेगा? क्या विधानसभा भंग होगी और नए चुनाव होंगे? अथवा इन सबसे अलग राष्ट्रपति शासन पर राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे? इन सारे प्रश्नों का उत्तर आने वाले दिनों में मिल जाएगा, लेकिन तय है कि राज्यपाल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आधिकारिक आवास खाली करने का अर्थ यह लगाया जा रहा है कि वे अब पद पर काम करने के इच्छुक नहीं हैं और एक तरह से स्वीकार कर चुके हैं कि उनकी सरकार अल्पमत में आ चुकी है। तो क्या शिवसेना में विभाजन अब हकीकत है।

अगर ऐसा है तो भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से बाकी कार्यकाल के लिए शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री पद संभाल सकते हैं बशर्ते उन्हें बहुमत का समर्थन हासिल हो और राज्यपाल को भरोसा हो जाए कि एकनाथ शिंदे के साथ बहुमत है। चूंकि देवेंद्र फडणवीस के मामले में एक बार राज्यपाल के अपने विवेक का इस्तेमाल करने से किरकिरी हो चुकी है। इसलिए इस बार वे अपने पद की जिम्मेदारी और छबि को लेकर यकीनन संवेदनशील रहेंगे। फिर कैसे तय किया जाएगा कि महाराष्ट्र की कमान कौन संभालेगा? जाहिर है, फैसला विधानसभा में ही होगा। पर सदन का सत्र बुलाने का निर्णय भी राज्यपाल को ही करना है। इसके लिए बहुमत वाली सरकार की अनुशंसा आवश्यक है। हां, राजभवन के संसदीय सलाहकार की राय राज्यपाल को यह भरोसा देती हो कि सरकार बहुमत खो चुकी है तो वे मुख्यमंत्री को विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दे सकते हैं।

क्या प्रदेश में नए मुख्यमंत्री और गठबंधन की सरकार बनेगी? क्या मौजूदा नेतृत्व येन केन प्रकारेण सरकार बचा लेगा? क्या विधानसभा भंग होगी और नए चुनाव होंगे? अथवा इन सबसे अलग राष्ट्रपति शासन पर राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे? इन सारे प्रश्नों का उत्तर आने वाले दिनों में मिल जाएगा, लेकिन तय है कि राज्यपाल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। माना जाए कि समूचे घटनाक्रम में परदे के पीछे भारतीय जनता पार्टी की भूमिका है तो सदन में बहुमत साबित करने की मांग जोखिम भरी हो सकती है

माना जाए कि समूचे घटनाक्रम में परदे के पीछे भारतीय जनता पार्टी की भूमिका है तो सदन में बहुमत साबित करने की मांग जोखिम भरी हो सकती है क्योंकि सदन में उपाध्यक्ष को यह प्रक्रिया संपन्न करानी होगी, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं।

असल में एकनाथ शिंदे ने बगावत का समय सोच-समझ कर चुना है। यदि सदन का सत्र चल रहा होता तो शिवसेना में विभाजन और दल बदल कानून के तहत कार्रवाई का निर्णय सदन के स्पीकर के हाथ में होता। लेकिन सत्र नहीं चल रहा है इसलिए शिंदे को सिर्फ चुनाव आयोग की शरण में जाना है। वे अपने गुट को असली शिवसेना बताकर अधिकृत चुनाव चिह्न मांग सकते हैं या शिवसेना का चुनाव चिह्न रोकने की मांग कर सकते हैं।

अक्सर राज्यपालों के विवेकाधिकारों पर बहस होती रही है। आरोप भी लगे हैं कि केंद्र राज्यपालों का दुरुपयोग करता है।

लब्बो लुआब यह कि घटनाक्रम का केंद्र बिंदु अब राज्यपाल हैं। दिलचस्प यह है कि संविधान इस मामले में राज्यपाल के विवेक को मान्यता देता है। वह राज्यपाल के विवेक को अधिकार में तब्दील कर देता है। यह बात अलग है कि उसके निर्णय को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। अगर राज्यपाल को लगता है कि मुख्यमंत्री बहुमत खो चुके हैं तो वे विधानसभा का सत्र बुलाने और मुख्यमंत्री को बहुमत साबित करने का निर्देश दे सकते हैं। अनुच्छेद 163 के अनुसार वे विवेक से ऐसा कर सकते हैं।

इतना ही नहीं, वे संतुष्ट हों तो बहुमत सिद्ध किए बिना भी किसी राजनेता को विवेक से मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला सकते हैं और बाद में सदन में बहुमत साबित करने का निर्देश दे सकते हैं। मान लीजिए, मुख्यमंत्री बहुमत हासिल करने में नाकाम रहते हैं तो राज्यपाल विधानसभा भंग कर सकते हैं। लेकिन इससे पहले उन्हें उन विकल्पों पर विचार करना होगा, जो प्रदेश को बहुमत वाली सरकार दे सकते हों। यदि राज्यपाल का विवेक कहता है कि प्रदेश में ऐसी स्थिति बन गई है कि प्रशासन संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक नहीं चल रहा है तो वह राष्ट्रपति को रिपोर्ट के जरिए अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकता है। आप कह सकते हैं कि यह एक तरह से अंतिम कार्रवाई है। अनुच्छेद 163 (2) कहता है कि यदि किसी मामले में राज्यपाल के पास सिर्फ विवेक से निर्णय लेने का विकल्प बचता है तो फिर उसके विवेकानुसार किया गया फैसला अंतिम होगा। फिर प्रश्न नहीं उठाया जाएगा कि राज्यपाल को विवेक से काम करना चाहिए था या नहीं। अक्सर राज्यपालों के विवेकाधिकारों पर बहस होती रही है। आरोप भी लगे हैं कि केंद्र राज्यपालों का दुरुपयोग करता है। संसदीय जानकारों के बीच मार्गदर्शी सिद्धांत तैयार करने की वकालत भी होती रही है।

राजेश बादल

संपादकीय

पवार के तटस्थ होने से संकट

एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने हाथ खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह शिव सेना का आंतरिक संकट है और उसे ही निपटाना चाहिए। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि महाविकास अघाड़ी में कोई समस्या नहीं है। इसके कई अर्थ निकाले जा रहे हैं। एक तो यह है कि उन्हें कोई परवाह नहीं है कि शिव सेना टूट जाए या सरकार गिर जाए। दूसरा अर्थ यह है कि वे सरकार नहीं गिरने को लेकर भरोसे में हैं। लेकिन जानकार नेताओं का कहना है कि शरद पवार की तटस्थता अनायास नहीं है। उनको पहले से संकट के बारे में पता था और उन्होंने उद्धव ठाकरे को आगाह भी किया था लेकिन सवाल है कि जब संकट गंभीर हो रहा था तो उन्होंने उसे काबू करने का प्रयास क्यों नहीं किया? महाराष्ट्र में चाहे किसी पार्टी का नेता हो वह शरद पवार की अनदेखी नहीं कर सकता है। एकनाथ शिंदे तो महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल थे, जिसका अघोषित रूप से समन्वय का काम शरद पवार ही कर रहे थे। इसलिए संकट के बारे में जानने के बावजूद उनका चुप रहना सवाल खड़े करता है। संकट पैदा हो जाने के बाद भी वे इसे सुलझाने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं, इससे भी शिव सेना और कांग्रेस के नेता हैरान हैं। सरकार पर आए संकट को शिव सेना का आंतरिक संकट बता कर वे कैसे पल्ला झाड़ सकते हैं? ध्यान रहे महाराष्ट्र में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फड़नवीस की शपथ शरद पवार की पार्टी के समर्थन से ही हुई थी। उसके बाद फड़नवीस की दूसरी शपथ शरद पवार के भतीजे अजित पवार के समर्थन से हुई। क्या तीसरी शपथ पवार परिवार के परोक्ष समर्थन से होगी?

घूमती दुनिया में गेम बनते रिश्ते, कितना उचित-कितना अनुचित ?

उनकी जिम्मेदारी केवल शरीर तक सीमित नहीं उन्हें आगे पूरे समाज और दुनिया की रचना में प्रतिभागी होना है। उससे भी आगे, उन्हें उस प्रेम को दुनिया तक पहुंचाना है जो हवा, पानी, जमीन, आकाश सबकी ऊर्जा को समेटे उतना ही विस्तृत और गहरा है, और इस तरह आदम-हौव्वा में पनपीं भावनाएं, संवेदनाएं।

अगर आदम-हौव्वा यूं ही रह जाते तो आज हम समाज, विकास और इंसान होने से इतर सिर्फ शरीर ही रह जाते।

इस इतनी लंबी भूमिका की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि आदम-हौव्वा के पास अब दिमाग तो है लेकिन उस फल से मिली विचार करने की शक्ति और भावनाओं की एक्सपायरी डेट खत्म हो गई लगती है। इसलिए रिश्ते, भावनाएं सबकुछ गौण होने लगे हैं और इच्छाएं केवल शरीर बनकर रह गई हैं, फिर चाहे शरीर खुद का हो या किसी और का।

ये पिछले साल की बात है। ब्राजील के एक आदमी जिनका नाम आर्थर ओ ओर्सु है, उनको लगा कि प्रेम तो बिना बंदिशों, बिना सीमाओं के महसूस करने की चीज है। इसके लिए किसी एक के साथ विवाह बंधन में बंधना व्यर्थ है, तो उन्होने कुछ करने की ठानी। लेकिन उन्होंने क्यूपिड बनकर बिछड़े प्रेमियों को नहीं मिलाया, न ही लोगों के बीच बिना किसी भेदभाव के प्रेम से रहने का सन्देश दिया और न ही उन्होंने किसी ऐसी प्रेमिका के साथ जीवन बिताने के सपने देखे जो सुंदर भी नहीं थी, अमीर भी नहीं थी और औसत बुद्धि वाली थी।

पोलीगैमी से सोलोगैमी तक

जब आदम-हौव्वा थे तब भी रिप्रोडक्शन यानी संतान उत्पत्ति या मनुष्य के पैदा होने लायक परिस्थितियां थीं। उन्हें न अपने रिश्ते को समझने की जरूरत थी, न ही किसी को समझाने की। लेकिन फिर ईश्वर ने या कहें प्रकृति ने उनको मनुष्य होने का फल दिया, सेब के रूप में, दिमाग के रूप में, विचार के रूप में। उस विचार ने उनको समझाया कि वे शरीर से कहीं ऊपर हैं, कहीं आगे हैं।

इन सब रास्तों के बजाय उन महाशय ने प्रेम को असीमित बनाने के लिए एक साथ, एक ही दिन 8 लड़कियों से बकायदा चर्च में शादी कर ली। इन 8 नई-नवेलियों के अलावा इन जनाब के पास पहले से एक अदद पत्नी मौजूद थी। कहानी बड़ी रोचक थी और यही रोमांच शायद उन 8 लड़कियों को इस रिश्ते में खींच लाया।

पॉलिगैमी से मोनोगैमी का विरोध

पॉलिगैमी (बहुविवाह) में विश्वास करने वाले ऑर्थर महाशय का कहना था कि वे अपने इस कदम से मोनोगैमी (एक विवाह) के खिलाफ विरोध दर्शाना चाहते थे। बहरहाल, कुछ दिन बड़े अच्छे से बीते लेकिन ऑर्थर की एक बीवी को पति और अपने रिश्ते का यूं बंट जाना कुछ जमा नहीं और वे उनसे अलग हो गईं।

आर्थर जी उदास हो गए क्योंकि उन्होंने तो तय किया था कि वे 1 और युवती से शादी करके इस संख्या को राउंड फिगर में 10 पर पहुंचा देंगे। अब उनको एक की बजाय 2 बीवियां ढूंढने की मशक्कत करनी होगी! इससे भी ऊपर ऑर्थर की ये शादियां गैरकानूनी भी हैं क्योंकि ब्राजील में बहुविवाह गैरकानूनी है। चलिए अब दूसरे किस्से पर आते हैं। यह किस्सा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में है। गुजरात की रहने वाली एक युवती क्षमा बिंदु ने भारत में सोलोगैमी की पहली मिसाल बनते हुए खुद से प्यार किया और खुद से शादी भी कर ली। अब वह खुद के साथ हनीमून पर हैं। पढ़ी-लिखी, अच्छी नौकरी कर रही इस स्वाबलंबी युवती का मानना है कि उन्हें जीवन में सिर्फ खुद से प्रेम करना है, खुद के लिए जीना है।

स्वाति शैवाल

मिला जुला

राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के प्रस्तावको में रायगढ़ सांसद गोमती साय शामिल

भाजपा ने आदिवासी समाज की नारी शक्ति का अद्वितीय सम्मान किया- गोमती साय

जोहार छत्तीसगढ़- फरसाबहार।

रायगढ़ एवं जशपुर जिले के लिए बेहद गौरव का विषय है कि राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के प्रस्तावको में रायगढ़ सांसद गोमती साय भी शामिल है। भाजपा नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली पहुंची गोमती साय ने द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और आज उनसे मुलाकात भी की। प्रस्तावकों में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल है। एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने अपना नामांकन दाखिल कर लिया है। सांसद गोमती साय ने उन्हें प्रस्तावक बनाये जाने पर प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय नेतृत्व का हार्दिक आभार जताया है। द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार बनाए जाने पर भाजपा नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए इसे आदिवासी समाज और महिलाओं का सम्मान बताया है। उन्होंने दिल्ली में द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। सांसद गोमती साय ने द्रोपदी मुर्मू को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि भाजपा ने आदिवासी समाज की नारी शक्ति का अद्वितीय सम्मान किया है। झारखंड की पहली महिला राज्यपाल द्रोपदी मुर्मू का जीवन संघर्ष संघर्षों की गाथा है। साय ने कहा कि अपना घर चलाने और बेटी को पढ़ाने के लिए मुर्मू ने एक टीचर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और फिर उन्होंने ओडिशा के सिंचाई विभाग में एक कनिष्ठ सहायक यानी क्लर्क के पद भी नौकरी की। मां ने नौकरी से मिलने वाले वेतन से घर खर्च चलाया और बेटी इति मुर्मू को पढ़ाया लिखाया। बेटी ने भी कॉलेज की पढ़ाई के बाद एक बैंक में नौकरी हासिल कर ली। द्रौपदी मुर्मू ने साल 1997 में रायरंगपुर नगर पंचायत के पार्षद चुनाव में जीत दर्ज कर अपने राजनीतिक जीवन का आगाज किया था। उन्होंने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। साथ ही वह भाजपा की आदिवासी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य भी रहीं। द्रौपदी मुर्मू मई 2015 में झारखंड की 9वीं राज्यपाल बनाई गई थी। वह किसी भी भारतीय राज्य की राज्यपाल बनने वाली पहली आदिवासी हैं। आदिवासी समाज के लिए गौरव का प्रतीक द्रोपदी मुर्मू पर हमें गर्व है।

छ.ग. कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष पत्रकारों से हुए रुबरु

जोहार छत्तीसगढ़- बेमेतरा।

छ.ग.कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा आज शुक्रवार को बेमेतरा प्रवास के दौरान न्यू सर्किट हाउस में पत्रकारों से रु.ब.रु हुए। इस दौरान उन्होने कहा कि वर्तमान समय अभी खेती.किसानी का है। बेमेतरा जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त भणडारण कर लिया गया है। किसान अपनी सुविधानुसार इसका उठाव कर रहे हैं। अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को खाद एवं बीज के लिए भटकना न पड़े इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। गोधन न्याय योजना के अन्तर्गत बेमेतरा जिले के 198 में 186 गौठान सक्रिय हैं जिसमें स्व.सहायता समूह इससे जूड़े हैं। मुर्गी पालन, मछली पालन, दोना पत्तल, दाल प्रसंस्करण यूनिट आदि गतिविधियां संचालित की जा रही है। कृषण कल्याण परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि यूरिया, सुरपफास्पेट, पोटास का भण्डारण किया जा चुका है। उन्होने कहा कि वर्तमान में डीएपी खाद की कमी है। प्रदेश सरकार द्वारा 8 लाख मिण्टन उर्वरक की मांग की गई है। इसके बावजूद भी केन्द्र सरकार द्वारा छग को पर्याप्त आवंटन नहीं भेजा रहा है। शर्मा ने यह भी कहा है कि कृषि प्रधान बेमेतरा जिले में कृषि आधारित उद्योग की काफी संभावनाएं हैं। बेमेतरा जिला चना के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। पहले जिले में सोयाबीन उत्पादन काफी तादात में होता रहा है। जिले में गन्ने का रकबा बढ़ रहा है।

बेमेतरा एक कृषि प्रधान जिला है। यहां धान के बदले अन्य फ सल लेने किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस में इनपुट सबसिडी 9 हजार रुपये का प्रावधान प्रदेश सरकार द्वारा रखा गया है। सरकार द्वारा कोदो कुटकी रागी के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। बीते खरीफ सीजन के दौरान 98 लाख मिण्टन धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया गया।

किसानों की संख्या 15 लाख से बढ़कर 24 लाख तक पहुंच गई है। परिषद के अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि सभी गौठानों में एक एकड़ जमीन सुरक्षित रखकर आर्थिक गतिविधियां संचालित की जायेगी। प्रदेश में 13 हजार महिला स्वसहायता समूह जूड़े हैं। गोबर से पेंट भी बनाया जा रहा है। इस दौरान उन्होने भूपेश बघेल सरकार द्वारा किसानों मजदूरों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इससे किसानों के माली हालात में काफी सुधार आया है।

50 फीट गहरी खाई में गिरी बस, 5 की मौत

स्पीड में थी इंदौर से खंडवा जा रही बस, मोड़ पर ओवरटेक करने में हादसा

इंदौर। इंदौर में गुरुवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। सिमरोल थाना क्षेत्र में भैरव घाट पर यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस इंदौर से खंडवा जा रही थी। हादसे में मौके पर ही 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 46 लोग घायल हो गए। इसकी पुष्टि सिमरोल टीआई आरएस भदौरिया ने की है। कलेक्टर मनीष सिंह के मुताबिक हादसे के वक्त बस तेज स्पीड में थी। ओवर टेक के चक्कर में हादसा हुआ है। 10 घायलों को इंदौर के अस्पताल लाया गया है। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। जानकारी के मुताबिक बस भैरव घाट के पास 50 फीट गहरी खाई में जाकर गिर गई। बस पूरी तरह उलट गई।

जशपुर की नई पहचान बन गई यहां के चाय बागान

चाय के बागान से जशपुर में मिल रहा टी टूरिज्म को बढ़ावा, राज्य के पहले चाय प्रोसेसिंग यूनिट से हो रहा उत्पादन

जोहार छत्तीसगढ़- जशपुनरगर।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की पहचान यहां की विशिष्ट आदिवासी संस्कृति, प्राकृतिक पठारों एवं नदियों की सुंदरता तथा एतिहासिक रियासत से तो है हीए लेकिन पिछले साढ़े तीन वर्षों से जशपुर की पहचान में एक नया नाम जुड़ गया है और ये पहचान अब देशव्यापी हो गयी है। अभी तक चाय की खेती के लिए लोग आसाम या दार्जिलिंग का ही नाम लेते रहे हैं। लेकिन जशपुर में भी चाय की खेती होने लगी है जो पर्यटकों को भी अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। हम जानते हैं कि पर्वतीय एवं ठंडे इलाकों में ही चाय की खेती हो पाती है और छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला भी ऐसे ही भौगोलिक संरचना पर स्थित है। पठारी क्षेत्र होने एवं लैटेराइट मिट्टी का प्रभाव होने की वजह से जशपुर में चाय की खेती के लिए अनुकूल वातावरण है। इसे देखते हुए जशपुर में चाय की खेती के लिए यहां चाय बागान की स्थापना की गयी है। खास बात ये है कि देश के अन्य हिस्सों में चाय की खेती के लिए कीटनाशक और रासायनिक खाद का इस्तेमाल होता हैए लेकिन गोधन न्याय योजना की वजह से जशपुर के चाय बागानों में वर्मी कंपोस्ट खाद का इस्तेमाल किया जाता है जो चाय के स्वाद को बढ़ाता ही है साथ ही सेहत का भी खयाल रखता है।

चाय प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जशपुर जिले के बालाछापर में 45 लाख रूपए की लागत से चाय प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किया है। यहां पर उत्पादन कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है और इस प्रसंस्करण केंद्र से सामान्य चाय एवं ग्रीन टी तैयार किया जा रहा है। बालाछापर में वनविभाग के पर्यावरण रोपणी परिसर में चाय प्रसंस्करण यूनिट की स्थापना की गई है। इस यूनिट में चाय के हरे पत्ते के प्रोसेसिंग की क्षमता 300 किलोग्राम प्रतिदिन की है।

पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है चाय बागान

जशपुर जिला मुख्यालय से तीन किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी और जंगल के बीच स्थित सारूडीह चाय बागान एक पर्यटन स्थल के रूप में भी लोकप्रिय होता जा रहा है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग चाय बागान देखने पहुंचते है। 18 एकड़ का यह बागान वन विभाग के मार्गदर्शन में महिला समूह द्वारा संचालित किया जा रहा है। सारूडीह के सात ही सोगड़ा आश्रम में भी चाय की खेती के कारण जशपुर जिले को एक नई पहचान और पर्यटकों को घूमने का एक नया स्थान मिला है।

खाद नहीं मिलने से नाराज मोहभट्ठा के किसानों ने किया प्रदर्शन, कालाबाजारियों पर कार्यवाही की उठी मांग

किसान नेता योगेश तिवारी ने देवरबीजा, कंतेली और मोहभट्ठा समितियों का किया दौरा

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा, खाद और बीज नहीं मिलने से नाराज मोहभट्ठा समिति के किसानों ने किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। यहां किसानों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

उल्लेखनीय है कि खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने की लगातार शिकायत के बाद किसान नेता योगेश तिवारी शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र की कई समितियों में पहुंचकर किसानों से रूबरू हुए। यहां किसानों ने किसान नेता को अपनी परेशानियों से अवगत कराया। किसानों ने खासकर खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने के साथ बाजार में कालाबाजारी की शिकायत की।

हर स्तर पर लूटे जा रहे किसान, कालाबाजारी की शिकायत

किसानों ने बताया कि किसान हर स्तर पर लूटे जा रहे हैं। सेवा सहकारी समितियों से सरकार के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज मिलने की उम्मीद रहती है लेकिन हर बार किसानों को निराश लौटना पड़ता है। बाजार पहुंचने पर व्यापारी मनमानी करते हैं। निर्धारित दर से अधिक दाम पर खाद और बीज की बिक्री की जा रही है। सवाल पूछने पर खाद नहीं होनी की बात कहकर बैरंग लौटा दिया जाता है। ऐसी स्थिति में किसान को मजबूरन अधिक दाम पर खाद और बीज खरीदना पड़ रहा है।

समितियों में डीएपी का संकट, बैरंग लौट रहे किसान

किसान नेता ने देवरबीजा, कंतेली और मोहभट्ठा समितियों का दौरा किया। मोहभट्ठा के किसानों ने बताया कि कई दिनों से खाद नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में समिति के कर्मचारियों का जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जहां उन्होंने कृषि कार्य के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। किसानों ने बताया कि समिति में यूरिया और राखड ही मिल रहा है। पोटाश और डीएपी की उपलब्धता नहीं होने से किसान परेशान हैं। इसी प्रकार कंतेली समिति में भी डीएपी नहीं मिलने की शिकायत मिल रही है।

किसान नेता ने उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

किसान नेता योगेश तिवारी के अनुसार आने वाले दिनों में भी खाद और बीज की उपलब्धता को लेकर समितियों का दौरा जारी रहेगा। जहां जरूरत पड़ने पर किसानों के साथ आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान पीयूष शर्मा, मनोज सिन्ह,ा मनोज पटेल, गन्नू राम साहू, भगवान सिंह, वर्मा गजाधर, राजपूत गौकरण साहू, जगत राम साहू, मंगला ध्रुवे समेत अन्य किसान उपस्थित थे।

प्राकृतिक आपदा एवं कोरोना महामारी ने छीने परिजन

परिवार की मदद करने प्रशासन ने शीघ्र प्रकरणों का निराकरण कर जारी की जा रही अनुदान राशि

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का बस नहीं है। पर आपदा से हुई जनहानि के लिए जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जा रहा है और परिवारजनों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिले में राजस्व पुस्तिका परिपत्र 6;4, के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा के तहत 543 मृतकों के वारिसों को विगत तीन वर्षों में जिला प्रशासन द्वारा 21 करोड़ 14 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। जिनमें जनवरी 2021 से अप्रैल 2022 तक 325 प्रकरण के अंतर्गत 12 करोड़ 55 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत है। जून 2022 में मात्र 20 दिनों के भीतर ही 24 प्रकरणों का निराकरण कर 96 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है। आरबीसी 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा, दैवीय विपत्तियों, पानी में डूबने, बिजली गिरने, रसोई गैस फटने, सर्प दंश से होने वाले मानवीय क्षति के लिए शासन द्वारा 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान किया जाता है। शासन की मंशानुसार जिला प्रशासन द्वारा प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पीड़ित परिवार को मानवीय सहायता राशि उपलब्ध करायी जा रही है, विषम परिस्थितियों में पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्राप्त होने से काफी मदद मिल रही है। कोविड 19 से मृतकों के परिजनों को मिली सहायता राशि

विश्व में कोविड 19 के प्रकोप से हुई जनहानि में ना जाने कितने ही परिवारों ने अपने परिवारजनों को खोया है। जिले में भी कोविड 19 महामारी से कई परिवार बिखरे, उस सदस्य की पूर्ति किया जाना सम्भव नहीं है। लेकिन आर्थिक संकट से उबरने परिवार की मदद तो की जा सकती है। शासन द्वारा इन मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में सहयोग राशि प्रदान की जा रही है। अनुदान सहायता राशि के रूप में मृतकों के परिजनों को 50 हजार रुपए की राशि प्रदान की जा रही है। जिले में अब तक 295 प्रकरणों में परिजनों को कुल 1 करोड़ 47 लाख 50 हजार रूपए सहायता राशि प्रदान की गई है।

एसईसीएल गेवरा कार्यालय में भूविस्थापितों का डेरा डालो आंदोलन 30 से

कोरबा । बरसों पुराने भूमि अधिग्रहण के बदले रोजगार देने के एसईसीएल के आश्वासन से थके भूविस्थापितों ने अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। उन्होंने 30 जून से गेवरा महाप्रबंधक कार्यालय पर घेरा डालो, डेरा डालो आंदोलन करने की घोषणा की है।

दिन-रात चलने वाले इस घेराव में उन्होंने ऐलान किया है कि उनका आंदोलन तभी खत्म होगा, जब एसईसीएल प्रबंधन रोजगार के सवाल पर उनके पक्ष में निर्णायक फैसला करेगा। इस आंदोलन की तैयारियां भी आज से शुरू हो गई है।

इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ किसान सभा, जनवादी नौजवान सभा तथा रोजगार एकता संघ द्वारा एसईसीएल की खदानों से प्रभावित गांवों, भू विस्थापित किसानों और ग्रामीणों की एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 20 गांवों के लोगों ने हिस्सा लिया। बैठक में कल से पर्चा, पोस्टर और नुक्कड़ सभाओं के साथ विस्थापन प्रभावित 50 गांवों में अभियान चलाने और ग्रामीणों से संपर्क करने का फैसला लिया गया तथा हर घर से दो लोगों को घेराव में शामिल होने की अपील की जाएगी।

सफलता की कहानी

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत जशपुर जिले के लोगों का किया जा रहा उपचार

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाईल मेडिकल यूनिट की सुविधा प्रारंभ कर दूरस्थ अंचल के जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बेहतर साधन उपलब्ध कराया गया है। मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों का खून जांच थायराइड,मलेरिया, टाइफ इड, ईसीजी, ब्लड प्रेशर, पल्स, ऑक्सीमीटर के साथ अन्य जांच कुशल लैब टेक्नीशियन एवं अत्याधुनिक सुविधा वाली मशीनों से की जाएगी। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का शिविर सभी वार्डों में रूट के अनुसार संचालित किया जा रहा है। नगर पालिका से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक की स्थिति में 81 कैंप लगाया गया है। जिसमें कुल 5603 मरीजों को लाभान्वित किया गया है। साथ ही मरीजों को नि:शुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया।

वर्मी कंपोस्ट खरीदी की बाध्यता एवं रासायनिक खाद की कमी को लेकर भाजपा किसान मोर्चा सीतापुर ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-सीतापुर।

भाजपा किसान मोर्चा सीतापुर द्वारा सीतापुर तहसीलदार शशिकांत दुबे को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन का मूल उद्देश्य यह था कि मानसून का समय चालू हो गया है किसान खेती किसानी में लग गए हैं। परंतु छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उनकी जरूरतों को पूरा नहीं किया जा रहा है। खेती के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है बीज के साथ-साथ खाद की होती है, परंतु छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खाद की सुनिश्चित मात्रा अभी तक उपल्ब्ध नहीं कराई गई है,जिस कारण छत्तीसगढ़ के किसान परेशान है। साथ ही छत्तीसगढ़ के किसानों को जैविक खाद खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इस बात को लेकर भाजपा किसान मोर्चा सीतापुर द्वारा सीतापुर तहसीलदार शशिकांत दुबे को ज्ञापन सौंपा गया। तथा उनसे यह मांग की गई किए खेती किसानी का समय आ चुका है मानसून ने दस्तक दे दिया है अब किसान खेती किसानी में लग गया है। उनको पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध कराई जाए, एवं छत्तीसगढ़ शासन जैविक खाद्य की जो बाध्यता किसानों के ऊपर लाद रही है उसको समाप्त किया जाए,इस बात को लेकर जब हमने भाजपा के नेता प्रभात खलखो से बात की उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए, पर्याप्त मात्रा में इफको डीएपी यूरिया सोसाइटी में उपलब्ध कराएं, साथ ही इसकी जो कालाबाजारी हो रही है उसके ऊपर अंकुश लगाया जाए, तथा गुणवत्ता हिन जो वर्मी कंपोस्ट खाद है उसकी खरीदी की बाध्यता समाप्त की जाए। अगर छत्तीसगढ़ सरकार हमारी इन बातों को नहीं मानती है। तो हम किसानों को साथ लेकर 27 जून 2022को समस्त सोसाइटी केंद्रों में ताला जड़ने का कार्य करेंगेए और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति विरोध प्रदर्शन करेंगे,वही जब इस विषय पर हमने सीतापुर तहसीलदार शशिकांत दुबे से बात की थी उन्होंने कहा किए हमारे द्वारा समस्त सोसाइटी केंद्रों में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। तथा जिन केंद्रों से शिकायतें पहुंच रही है उन समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है, तथा किसानों को जो वर्मी कंपोस्ट दी जा रही है वह पूर्ण मानक है उसको जांचने परखने के उपरांत ही किसानों को दिया जा रहा हैए साथ ही हमारे द्वारा क्षेत्र में जो खाद को लेकर काला बाजारी की समस्या हैए उसके ऊपर निगरानी रखी जा रही है यदि ऐसी कोई शिकायत सामने आती है तो हमारे द्वारा तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

प्रताड़ना से आत्महत्या मामले में सरायपाली के सूदखोर सहित दो के खिलाफ जुर्म दर्ज

दो साल पहले सेलून संचालक ने खाया था जहर

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

सूदखोरों द्वारा दिये जा रहे मानसिक प्रताड़ना से त्रस्त होकर ग्रामीण द्वारा जहर खाकर आत्महत्या कर लेने के मामले में जिले की सिंघोड़ा पुलिस ने सरायपाली के टीटू सेठ उर्फ गणेश अग्रवाल और ग्राम खरखरी निवासी राजकुमार प्रधान के विरूद्ध पुलिस द्वारा भादवि की धारा 306/34 के तहत अपराध पंजीबध्द कर लिया गया हैं। ज्ञातव्य है किए बीते 17 फरवरी 2020 को ग्राम खरखरी निवासी मेघनाथ बारिक पिता गजपती बारिक ने विसपान कर लिया था। जिससे 18 फरवरी 2020 को चिकित्सालय में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी थी। जिस पर सिंघोड़ा पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया था। पुलिस द्वारा गहन पूछताछ व जांच पड़ताल में पाया कि, मेघनाथ का पिता गजपति बारिक घटना के 4 वर्ष पूर्ण ग्राम खरखरी के ही राजकुमार प्रधान उर्फ राजू के माध्यम से सरायपाली के टीटू सेठ उर्फ गणेश अग्रवाल से घरेलू जरूरत के लिए ब्याज में कर्ज लिया था। जिसे वह ब्याज सहित देनदार को लौटा चुका था। पश्चात भी टीटू सेठ और राजकुमार द्वारा मेघनाथ को उधार का पैसा अदा करों कहकर लगातार परेशान किया जा रहा था। तथा उसे रकम नही देने पर उसके सेलून दुकान को बंद कराने की धमकी भी लगातार देते रहे। जिससे परेशान होकर मेंघनाथ ने आत्महत्या कर ली।

तपकरा की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकान को 25 जून रात्रि 10 बजे से 29 जून के प्रातः 09 बजे तक पूर्णतः बंद रखने के निर्देश

त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है शुष्क दिवस घोषित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रितेश कुमार अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विकासखण्ड फरसाबहार के ग्राम पंचायत तपकरा में 28 जून 2022 को होने वाले त्रिस्तरीय पंचायतों के आम या उप निर्वाचन 2022 को ध्यान में रखते हुए विकासखण्ड फरसाबहार के ग्राम पंचायत तपकरा की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकान को मतदान की तिथि से 2 दिवस पूर्व अर्थात् 25 जून 2022 को रात्रि 10 बजे से 29 जून 2022 के प्रातः 09बजे तक पूर्णतः बंद रखने हेतु शुष्क दिवस घोषित किया है। उक्त अवधि में उक्त प्रतिबंधित क्षेत्रों में मदिरा का विक्रय प्रतिबंधित रहेगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर हुई पहल, लगाये गये दो ट्रॉसफार्मर

लो वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणों को मिली राहत

बलरामपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में किये गये घोषणा पर अमल करते हुए शंकरगढ़ विकासखण्ड के ग्राम जगीमा व सरगवां के ग्रामीणों को लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिल गयी है और अब ग्रामीण मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 4 मई को जिला बलरामपुर-रामानुजगंज सामरी विधानसभा के विकासखण्ड शंकरगढ़ में पहुँचे थे और शंकरगढ़ में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में शामिल हुए थे, मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी थी और उन्हीं समस्याओं में से एक लो वोल्टेज की समस्या की थी। जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने शंकरगढ़ के ग्राम जगिमा के यादव पारा व ग्राम सरगवां के लोहारपारा में ट्रांसफार्मर स्थापित करने की घोषणा की थी, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अब दोनों गाँवों के ग्रामीणों को लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिल गया है। जगिमा के उप सरपंच रामशरण यादव बताते है कि पहले उन्हें लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ता था, रात के समय मे ढिभरी (चिमनी) के समान बल्ब की रोशनी से गुजारा करना पड़ता था, यही नही गांव में ट्यूवेल मशीन चलाने के लिए स्टेपलाइजर का सहारा लेना पड़ता था, वही लो वोल्टेज की समस्या दूर होने के बाद स्कूली बच्चों को भी रात के अंधेरे में पढ़ने से राहत मिल रही है। ग्राम सरगवां के लोहरपारा में ट्रांसफार्मर के स्थापित हो जाने से लगभग 300 घरों में बिजली की सप्लाई हो रही है। गांव के ग्रामीण मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दे रहे हैं।

34 ट्रेनें हुई रद्द,यात्रियों की बढ़ी परेशानी

बिलासपुर । रेल्वे यात्रियों के परेशानी का सबब दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। और यात्री ट्रेनों को निरस्त करने का सिलसिला रेल्वे लगातार बढ़ाता ही जा रहा है। इसी क्रम में रेल्वे ने आज 24 जून से 9 जुलाई तक 34 ट्रेने फिर से निरस्त कर दी है। निरस्त ट्रेनों में 22 एक्सप्रेस व 12 लोकल ट्रेन शामिल हैं। रद्द होने वाली एक्सप्रेस गाडियां:- 1) दिनांक 25 जून से 09 जुलाई, 2022 तक बिलासपुर एवं भोपाल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18236/18235 बिलासपुर-भोपाल -बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी । 2) दिनांक 24 जून से 08 जुलाई, 2022 तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18247 बिलासपुर ङ्क रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

चोरी की बाईक से घुम-घुम कर 15 नग मोबाईल कीमती करीबन 2 लाख 60 हजार रूपये चोरी करने वाला आरोपी पुलिस के गिरफ्त में

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा पंकज पटेल, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के मार्गदर्शन पर संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु आसूचना तंत्र मजबूत करने, सतत पेट्रोलिंग एवं गस्त सुदृढ कर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगाह रखने आवश्यक दिशा दृ निर्देश दिया गया है। जिसके तहत 23 जून 2022 को बेमेतरा पुलिस स्टाफ को पेट्रोलिंग के दौरान जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि दो युवक बेमेतरा बस स्टैण्ड में बाईक एवं मोबाईल बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश कर रहे है कि सूचना पर बेमेतरा पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों युवक से नाम पुछने पर ओंकार साहू निवासी करचुवा एवं एक विधि के साथ संर्घषरत बालक होना बताया। उक्त दोनो से पुछताछ करने पर बताया कि दोनो ने करीबन 2 माह पूर्व रायपुर घुमने गये थे जहां से दोनों ने रायपुर नया बस स्टैण्ड के पास से एक मोटर सायकल फैजर को चोरी करना फिर उसी मोटर सायकल से आस-पास के क्षेत्रों से विभिन्न कंपनियों का मोबाईल जिसमें ओप्पो कंपनी का,53, रियल मी सी 12, वीवो वाई 11, रियल मी 7, वीवो मोबाईल नीला कलर, वीवो वाई 21 सिल्वर कलर, सैमसम कंपनी का सिल्वर कलर, वीवो वाई 15 ब्लू कलर, रेडमी 09 प्राईम ब्लू बैगनी कलर, रेडमी 9 आरेंज कलर, रेडमी 9 प्रो मैक्स, ब्लू कलर करीबन 15 नग विभिन्न कंपनियो का मोबाईल को चोरी करना स्वीकार किये। आरोपियों के पेश करने पर चोरी की संपत्ति होने के संदेह पर धारा 41,1.4, जाफौ, 379, 34 भादवि के तहत जप्त कर कार्यवाही की गई है। एक मोटर सायकल फैजर कीमती लगभग 1,30,000 रूपये एवं 15 नग विभिन्न कंपनियों का मोबाईल कीमती लगभग 1,30,000,रूपये, कुल जुमला 2,60,000 रूपये आंकी गई है। आरोपी ओंकार साहू पिता हीरा सिंह साहू उम्र 20 साल साकिन करचुवा चौकी खण्डसरा थाना बेमेतरा को 23 जून 2022 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया एवं 01 विधि के साथ संघर्षर बालक को माननीय न्याय किशोर बोर्ड न्यायालय में पेश किया गया।

खाद की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध होगी कड़ी कार्यवाही

कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष ने ली अधिकारियों की बैठक

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

प्रदेश के कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा सुरेन्द्र शर्मा शुक्रवार को बेमेतरा प्रवास के दौरान जिला पंचायत कार्यालय बेमेतरा में कृषकों एवं जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होने शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रभावों के आंकलन तथा इन्हे और बेहतर बनाने कृषकों एवं जिला अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में अधिकारीगण एवं कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन से संबंधित एक-एक प्रगतिशील कृषक भी उपस्थित थे। बैठक में उन्होंने गौठान प्रबंधन से संबंधित सक्रिय स्व.सहायता समूहों, गौठानों में वर्तमान में आजीविका संवर्धन के प्रमुख क्रियाकलापों, द्वि-फसलीय क्षेत्र बढ़ाने में जिला प्रशासन की कार्य योजना, पोषण बाड़ियों की स्थिति तथा इन्हे आंगनबाड़ियोंध्विद्यालयों में विस्तारित करने की रणनीति के संबंध में जानकारी ली।

परिषद के अध्यक्ष शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उर्वरक/बीज की कालाबाजारी जिसमें शासकीय दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय किये जाने वाले दुकानदारों/व्यापारियों पर प्रतिबंध लगाया जाये और मैदानी अमलों को उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों की सतत् निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होने फसल बीमा कंपनियों को बेनर पोस्टर के माध्यम से योजना का प्रचार-प्रसार और वित्तीय संस्थाओं द्वारा अधिक से अधिक केसीसी खातेदार तैयार कर फसल ऋण प्रदाय करने को कहा। राजीव गांधी किसान न्याय योजनांतर्गत कृषकों को लाभान्वित करने अधिकारियों को कहा कि कृषकों को अधिक से अधिक रकबा में धान के बदले दलहन, तिलहन एवं अन्य फसल लगाये जाने के लिए प्रोत्साहित करें। अध्यक्ष ने पशु चिकित्सा के अधिकारियों को गौठान में पशु उपचार, कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण, टीकाकरण का कार्य नियमित रुप से करने को कहा। जिसमें विशेष रुप से रोका-छेका शिविर के माध्यम से वर्षा ऋतु के पूर्व गलघोटू एवं एकटंगिया बीमारी से बचाव किया जा सके।

अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि सभी गौठानों में एक एकड़ जमीन सुरक्षित रखकर आर्थिक गतिविधियां संचालित की जायेगी। प्रदेश में 13 हजार महिला स्वसहायता समूह जुड़े हैं। गोबर से पेंट भी बनाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने भूपेश बघेल सरकार द्वारा किसानों मजदूरों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। अधिकारियों से संबंधित क्षेत्र के विस्तार के लिए और योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए गौठान में चलाये जा रहे क्रियाकलापों की जानकारी ली और कहा कि किसानों के लिए उर्वरक बीज फसलवार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। बेमेतरा जिला चना के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है और जिले में पर्याप्त मात्रा में सोयाबीन का उत्पादन जारी है। कृषि विज्ञान केन्द्र ढोलिया बेमेतरा के सहयोग से दाल मिल, तेल मिल, केला तना से रेशा निकालने की ईकाई एवं गोबर पेंट ईकाई का संचालन किया जा रहा है। इसकी विस्तृत जानकारी ली और कहा कि ग्राम राखी में केले के रेशे से कर्टन पर्दा, सजावटी एवं अन्य सामग्री तैयार किया जा रहा है। यह किसानों के लिए और महिला स्व.सहायता समूह के लिए एक अच्छा रोजगार का अवसर मिल रहा है, इस योजना को आने वाले समय में पूरे प्रदेश में संचालित किया जायेगा।

इस अवसर पर कृषक कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष महेन्द्र चंद्राकर, परिषद के सदस्य पुन्नीलाल पटेल, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि बंशी लाल पटेल, वरिष्ठ समाज सेवी एवं शिक्षाविद् अविनाश तिवारी, जिला पंचायत सीईओ लीना मण्डावी, संयुक्त संचालक कृषि विभाग दुर्ग आर के राठौर, उप संचालक कृषि एमडी मानकर, उप संचालक पशुधन विकास विभाग डॉ. राजेन्द्र भगत, डिप्टी कलेक्टर सुश्री हीरा गवर्ना, सहायक संचालक उद्यान हितेन्द्र मेश्राम, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी आरके वारे जिला विपणन अधिकारी आशुतोष कोसरिया, सहायक संचालक कृषि राकेश शर्मा, एसडीओ कृषि आर के सोलंकी सहित अधिकारी/कर्मचारी एवं कृषकगण उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे में नौ लाख लूटने वाले 6 लुटेरें लगे पुलिस के हत्थे

घड़ी कारोबारी का पूर्व कर्मचारी निकला वारदात का मास्टरमाइंड

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

बीते 22 जून को नेशनल हाईवे 353 में बीके बाहरा और खल्लारी के बीच दिन-दहाड़े नौ लाख रूपये लूट की घटना घटी थी। लूटेरों ने रायपुर के घड़ी व्यवसायी के सेल्समेन को खुद को नकली पुलिस बनकर 9 लाख रुपये की लूट लिये थे।

बुधवार की देर शाम से रात तक प्रार्थी के बताए सूचना के आधार पर पुलिस प्वाइंट लगाकर जांच में जुटी थी। इस मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है करोबारी का पूर्व कर्मचारी ही इस लूट का मास्टरमाइंड निकला है। 4 आरोपी भिलाई से तथा 2 आरोपी रायपुर से पकड़ाया है। घटना इस प्रकार है। लक्ष्मीनारायण देवांगन पिता भोलाराम देवांगन उम्र 48 साल साकिन सेमलिया रायपुर के द्वारा थाना खल्लारी में आकर रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह विजय वॉच रायपुर में मार्केटिंग का काम करता है। दिनांक 13 जून को वह मारूती ओमनी क्रमांक सीजी 04 एचए 8762 में चालक संतोष साहू के साथ राजिम, गरियाबंद, देवभोग, भवानीपटनम, बरगढ, बलांगीर से कलेक्शन व मार्केटिंग करते हुये व 22 जून को खरियार रोड से मार्केटिंग व सेल्स कलेक्शन का काम कर कलेक्शन की रकम लगभग 8,92,000 रूपये लेकर करीबन 11 बजे बागबाहारा से रायपुर जाने के लिए निकले। कलेक्शन का रकम लगभग 8,92,000 रूपये एवं रसीद/लेजर बुक को अपने कपड़े वाले काले रंग एवं मिलेट्री रंग की दोनो बैग में अलग-अलग कुल जुमला रकम 8,92,000 रूपये को समान के साथ पीछे में रखा था। साथ में ड्रायवर संतोष साहू का काला बैग भी वही रखा हुआ था। जिसे लेकर जब हम लोग दोपहर 02:45 बजे भीमखोज एवं एम के बाहरा एनएच.353 रोड के बीच में पहुचे ही थे कि तभी पीछे-पीछे बागबाहरा की ओर से आ रही एक सफेद रंग की बिना नंबर बोलेरो गाडी हमें ओवरटेक करते हुये आगे खड़ी कर हमारी गाड़ी को रोक लिया गया। सेल्समेन के अनुसार बोलेरो गाडी में से 3 लोग नीचे उतरे जिन्होंने अपना चेहरा गमछा से ढका हुआ था। वे अपने आप को पुलिस वाले बताये और बोले किए तुम लोग गांजा लेकर जा हरे हो। तुम्हारी गाड़ी चेक करना है। और कहां से आ रहे हा, कहते हुये हमे नीचे उतारे और मुझे व मेरे ड्रायवर संतोष साहू को अपनी गाडी बोलेरो में जबरदस्ती बैठायें। जिसमें ड्रायवर पहले से बैठा हुआ था। हमारी गाड़ी की चाबी को रखकर उनमें से एक व्यक्ति ने हमारी गाडी में रखे काले रंग एवं मिलेट्री रंग के बैग जिसमें पैसे करीबन 8,92,000 रूपये रखे थे उस बैग को अपने गाडी बोलेरो में रख लिये और हम दोनो को ग्राम जामली रास्ते अंदर जंगल में थोडी दुर ले जाकर हमारे हांथ को पीछे टेप से बांध कर व हमारे मोबाईल के सीम को निकालकर तोड दिये और मोबाईल फोन को हम लोगो के जेब में छोड़ दिये। 04 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा काले रंग व मिलेट्री रंग के बैग में रखे पैसे नगदी रकम 8,92,000 रूपये व रसीद/लेजर बुक को दोनों बैग सहित लुट कर ले गये।

घटना की सूचना मिलने उपरांत पुलिस महानिरीक्षक ओपी पाल द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये तत्काल पुलिस अधीक्षक महासमुन्द विवेक शुक्ला को अपने निर्देशन में सायबर सेल महासमुन्द एवं थाना खल्लारी टीम को आरोपियों की पतासाजी हेतु निर्देशित किया गया था। टीम द्वारा समस्त पहलुओ पर गहनता एवं सुक्ष्मता से जॉच करए जॉच दौरान टेमरी बार्डर से रायपुर रूट तक के समस्त सीसीटीव्ही फुटेज खंगाला गया।

जिससे यह तथ्य सामने आया किए ओडिशा बॉडर से एक बिना नम्बर प्लेट की सफेद रंग की बोलेरो लगातार मारूती ओमनी का पीछा कर थी। उक्त बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 04 एलपी 3599 के बारे में पतासाजी करते हुये पुलिस को ज्ञात हुआ किए उक्त वाहन भिलाई स्टील प्लांट में प्राईव्हेट ड्रायव्हर सुरेश कौशल चलाता है। जिस पर से सुरेश कौशल का पता तलाश कर उसे हिरासत में लिया गया और घटना के दिन और संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि रायपुर का रहने वाला मनोज करवाड़े उक्त लूट का मास्टर माईड है। जिसे रायपुर भाठागांव से पतासाजी कर हिरासत में लिया गया।

देवरबीजा पुलिस की कार्यवाही, चोरी किये मोटर सायकल कीमती करीबन 51 हजार रूपये सहित आरोपी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

प्रार्थी वेद राम साहू पिता बिसाहू राम साहू ग्राम सिंघोरी चौकी देवरबीजा थाना बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 22 जून 2022 को अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 एल एक्स 3064 पैशन प्रो. लाल रंग कीमती करीब 51000 हजार रूपये को ग्राम सिरसा हरियाणा बाड़ी मोड़ के पास रोड के पास लॉक करके खड़ी कर दिया था और दूर खेत में धान बुवाई कर रहा था कि शाम 4 बजे कोई अज्ञात चोर द्वारा मोटर सायकल को लॉक खोलकर चोरी कर ले गया की रिपोर्ट पर चौकी देवरबीजा थाना बेमेतरा में अपराध सदर धारा 379 भादवि के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर पतासाजी विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन पर अतिण् पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के द्वारा चौकी देवरबीजा प्रभारी सउनि डीएल सोना एवं चौकी स्टाफ को माल मुल्जिम पता तलास करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रकरण में माल मुलजिम पतासाजी विवेचना के दौरान जरिए मुखबिर से सूचना पर 24 जून 2022 को ग्राम सिंघोरी के ही संदेही विष्णु यदु को हिरासत में लेकर उक्त घटना के संबंध में पूछताछ करने पर मोटर सायकल को चोरी करना स्वीकार करते हुयेए देवरबीजा के सिरसा तिराहा के पास स्थित मंदिर के पीछे छुपाकर रखना बताया।

क्रेडा विभाग व स्वच्छ भारत मिशन के वित्तीय सहयोग से ग्रामवासियों को मिल रहा निःशुल्क बायोगैस ईंधन

जोहार छत्तीसगढ़-बीजापुर।

क्रेडा विभाग व स्वच्छ भारत मिशन के वित्तीय मद से ग्राम पेंकरम में क्रेडा के माध्यम से दीनबंधु मॉडल, 2 घन मीटर बायोगैस सयंत्र स्थापना का कार्य किया गया है। जिससे ग्राम पेंकरम के 8 घरों को निःशुल्क बायोगैस ईंधन प्राप्त हो रहा है। ग्राम पेंकरम आदिवासी व नक्सल प्रभावित दुर्गम गांव है। जो बीजापुर जिले के उसूर तहसील में स्थित है। यह गांव जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है। यह जंगलों से घिरा हुआ है। बायोगैस सयंत्र से ईंधन और अच्छी खाद प्राप्त होने के साथ-साथ महिलाओं/बच्चों को खाना बनाने हेतु जंगल से लकड़ी एकत्र करने तथा गोबर के कंडे बनाने से मुक्ति मिलती है। इससे रसोई घर में धुंए से छुटकारा मिलता है तथा नेत्र एवं फेंफ ड़े आदि के कई रोगों से बचाव भी किया जा सकता है। इस गैस में खाना पकाने से समय की बचत होती है व बर्तन भी काले नहीं होते। बायोगैस सयंत्र को यदि घर के शौचालय से जोड़ दिया जाता है तो गांव की सफ ाई व्यवस्था में भी सुधार हो सकता है। क्रेडा विभाग द्वारा लोगों को बायोगैस सयंत्र स्थापित कराने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है ताकि धुआं रहित ईंधन ग्रामीणों को मिले एवं स्वास्थ्य की देखभाल भी हो सके।

डीईओ ने किया स्कूल व प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण केन्द्र में 21 शिक्षक अनुपस्थित मिले

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा द्वारा शासकीय प्राथमिकध्पूर्व माध्यमिक शाला भोइनाभाठा, बावामोहतरा, नवागांव, पेंड्री, खुडमुडी, मोहभट्ठा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनेक शालाओं में कतिपय अनुपस्थित शिक्षकों के संबंध में जोन स्तरीय नवा जतन प्रशिक्षण में जाना बताया गया। प्रशिक्षण केंद्र बावामोहतरा में कुल 26 शिक्षकों का प्रशिक्षण है। प्रशिक्षण केंद्र में निर्धारित समय में केवल 05 शिक्षक उपस्थित तथा 21 शिक्षक अनुपस्थित मिले। शास प्राथमिक शाला मोहभट्ठा में बच्चे सड़क और परिसर में खेलते और झगड़ते पाए गए जबकि प्रधान पाठक एवं अन्य 4 शिक्षक स्टाफरूम में गपशप मारते मिले। निरीक्षण किए गए सभी शालाओं में बच्चों का स्तर कमजोर पाया गया जबकि मध्यान्ह भोजन का स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। बार-बार निर्देश के बावजूद बच्चों के स्तर व एमडीएम में सुधार नहीं होने पर खेद प्रकट करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा अरविन्द मिश्रा द्वारा संबंधित संस्था प्रमुखों को चेतावनी पत्र जारी करने तथा प्रशिक्षण केन्द्र में निर्धारित समय पर अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु डीईओ मिश्रा द्वारा निर्देशित किया गया है।

पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति का हुआ चुनाव

आनंद अध्यक्ष, पाटकर उपाध्यक्ष, संजय जिला सहकारी संघ प्रतिनिधि बने

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुन्द।

प्रेस क्लब महासमुन्द के सांस्कृतिक भवन में पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति का चुनाव 24 जून 2022 को हुआ। संचालक मंडल के 11 सदस्यों ने पदाधिकारियों का चुनाव किया। अध्यक्ष आनंदराम पत्रकारश्री और उपाध्यक्ष दिनेश पाटकर का निर्वाचन सर्वसम्मति से निर्विरोध हुआ। वहीं जिला सहकारी संघ मर्यादित महासमुन्द के प्रतिनिधि के लिए मतदान हुआ। कांटे की टक्कर के बीच संजय महंती एक वोट के अंतर से प्रतिनिधि चुने गए। संजय महंती को 6 और जसवंत पवार को 5 वोट मिले। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और संचालक सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष होगा। निर्वाचन अधिकारी, के दीवान ने राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में निर्वाचन संपन्न कराया। संस्था के पंजीकरण के बाद यह प्रथम निर्वाचन था। अनारक्षित वर्ग से जसवंत पवार, दिनेश पाटकर, संजय महंती, विपिन कुमार दुबे, अनारक्षित महिला वर्ग से अनिता संजय यादव, राखी रत्नेश सोनी, अनुसूचित जाति वर्ग से उत्तरा विदानी, अन्य पिछड़ा वर्ग से आनंदराम पत्रकारश्री, लोकेश साहू, मीना बाबूलाल साहू और धर्मिन पोषण कन्नौजे एकल नामांकन होने से 17 जून को निर्विरोध संचालक सदस्य चुने गए थे। नवनिर्वाचित संचालक सदस्यों का प्रथम सम्मिलन आज दोपहर 12 बजे प्रेस क्लब महासमुन्द के सांस्कृतिक भवन में हुई। रिटर्निंग अधिकारी ए के दीवान ने अध्यक्षता की। उन्होंने संचालक मंडल अध्यक्षए उपाध्यक्ष और प्रतिनिधि के चुनाव के लिए प्रस्ताव रखा। संचालक सदस्यों में से विपिन कुमार दुबे ने अध्यक्ष पद के लिए आनंदराम पत्रकारश्री का नाम प्रस्तावित किया।जिसका अनुमोदन उत्तरा विदानी ने की। इस पर सर्वसम्मति बनने पर प्रेस क्लब महासमुन्द के मौजूदा अध्यक्ष आनंदराम पत्रकारश्री पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। उपाध्यक्ष पद के लिए दिनेश पाटकर के नाम का प्रस्ताव लोकेश साहू द्वारा किया गया। जसवंत पवार ने इसका अनुमोदन किया। पाटकर भी सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिला सहकारी संघ मर्यादित प्रतिनिधि के लिए मतदान की स्थिति बनी। निर्वाचन शांतिपूर्ण और सदभाव के साथ संपन्न होने पर निर्वाचन अधिकारी दीवान ने आभार प्रदर्शन किया।

एक नजर

वीरांगना रानी दुर्गावती को बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

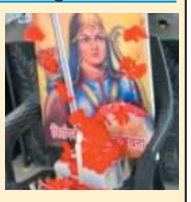

ग्राम खरोरा में आजादी और स्वाभिमान के लिए अपने प्राणों को अर्पित करने वाली महान वीरांगना महारानी दुर्गावती की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गायत्री चन्द्राकर मुकेश चन्द्राकर गायत्री चन्द्राकर ने कहा रानी दुर्गावती की बलिदान दिवस भारत में 24 जून को मनाया जाता है।

स्व.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर 25 युवाओं ने किया भाजपा प्रवेश

जोहार छत्तीसगढ़-सीतापुर।

सांस्कृतिक भवन में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री देवनाथ सिह पैंकरा भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर शामिल हुए कार्यक्रम की शुरुआत स्व. श्याम प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा विस्तार पूर्वक कार्यकर्ताओं को उनके देश के प्रति दिए गये बलिदान के बारे में अवगत कराया भाजपा के रीति नीति से प्रभावित होकर क्षेत्र के पच्चीस युवाओं ने नवनियुक्त भाजयुमो मंडल अध्यक्ष इलू गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा प्रवेश किया। उपस्थित अतिथियों द्वारा उन्हें माला पहनाकर पार्टी में प्रवेश करने पर स्वागत किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री देवनाथ सिंह पैंकरा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर,प्रभात खलखो, नीरू मिस्त्री, स्नेहलता गुप्ता, रंजीत गुप्ता विनोद अग्रवाल,रूपेश गुप्ता, भोला राम मिंज, राकेश गुप्ता, विक्की नामदेव, संगीता कंसारी,अमृता पैंकरा,महेश्वरी दास, रवि उरांव सानू कश्यप, राजेन्द्र प्रजापति, रामदयाल चौहान, शरद सिन्हा, रोनी, सहदेव पैंकरा दीपक गुप्ता, संजय भगत, सहित काफी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सफलता की कहानी

श्रम विभाग की योजना का लाभ लेकर भोली यादव को मिला 1 लाख रुपए

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं से निरंतर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कडी में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजनांतर्गत कुनकुरी विकासखंड के ग्राम कुडुकेला निवासी राजकुमार यादव पिता धनंजय यादव की मृत्यु हो जाने पर राजकुमार के उत्तराधिकारी ली यादव को योजनांतर्गत 1 लाख रुपए प्रदान किया गया। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि उक्त राशि योजनांतर्गत सामान्य मृत्यु होने पर दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने श्रम विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने हेतु पात्र हितग्राहियों से पंजीयन कराने की अपील की है। उन्होंने बताया है कि आवश्यक दस्तावेज के साथ श्रम विभाग, लोक सेवा केन्द्र, व्हीएलई के माध्यम से पंजीयन करा सकते है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कल्याण निरीक्षण अभिषेक यादव मोबाईल नंबर 9111122448 पर संपर्क किया जा सकता है।

नदी,नालों, भूजल स्रोतों को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती शासन की नरवा विकास योजना

नरवा विकास योजना के तहत जिले में 332 किमी लंबे जल परिपथ को किया गया रिचार्ज

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

भूजल एवं वर्षाजल संरक्षण, मृदा क्षरण से बचाव, ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति जैसी अनेक महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति हेतु शुरू की गई शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा विकास योजना के तहत जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत वर्ष 2019 से 21 तक नरवा विकास कार्यों के 5 करोड़ 78 लाख रुपये की लागत से 1852 कार्य पूर्ण किए गए हैं। योजना से जिले के सिंचित क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है और योजना के क्रियान्वयन से किसानों को बड़ी राहत मिली है। नरवा विकास योजना के तहत जिले में 332 किलोमीटर लंबाई के जल परिपथ को रिचार्ज किया गया है। नरवा निर्माण से 71 हज़ार 790 हेक्टेयर कैचमेंट एरिया उपचारित किया गया है। वहीं वन विभाग द्वारा राज्य कैम्पा मद के द्वारा 109 नरवा विकास के कार्य किए गए है। जिससे वनमण्डल बैकुण्ठपुर एवं मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत 1 लाख 11 हजार 976 हेक्टेयर रकबा उपचारित किया गया है। योजना के अंतर्गत भू-जल संरक्षण के लिए नरवा उपचार से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों में आर्थिक स्थिरता आयी है। साथ ही मनरेगा अंतर्गत श्रमिकों को रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। वर्षा जल के संचयन और नदी नालों के उपचार से आसपास के क्षेत्र की मिट्टी में नमी बढ़ने के साथ ही फसलों की सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हुआ तथा वर्षा जल के संचयन से भूजल स्तर में भी वृद्धि हुई है। नदी नालों के पुर्नजीवन जल संरक्षण हेतु सुधार संरचनाओं जैसे कन्टूर ट्रेंच, लूज बोल्डर चेकडेम, परकुलेशन टैंक, अर्दन गली प्लग, तालाब निर्माण, गेबियन संरचना, अर्दन डेम एवं एनीकट का निर्माण किया जा रहा है।

स्कूली वाहनों की गई फिटनेस जांच

यातायात, परिवहन एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जांचे समस्त दस्तावेज

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच सहित अन्य सभी दस्तावेजों की जांच जिला परिवहन कार्यालय में की गई। शासन द्वारा निर्धारित 16 सुरक्षा मानक के आधार पर पुलिस यातायात विभाग, जिला परिवहन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वाहन का निरीक्षण किया गया।

2 वाहन पर लगा जुर्माना, 1 वाहन यातायात थाना में जब्त

जांच के दौरान समस्त वाहनों के फिटनेस प्रमाण,टैक्सी परमिट, ड्राइवर लाइसेंस, प्रदूषण कंट्रोल प्रमाण पत्र आदि की जांच की गई। 2 स्कूली वाहन का टैक्सी परमिट नहीं होने पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। इसके साथ ही टैक्सी परमिट एवं फिटनेस प्रमाण नहीं होने पर एक वाहन को जब्त कर यातायात थाना के सुपुर्द की गई। इस दौरान उप निरीक्षक यातायात, शंकर पाल ने वाहन चालकों एवं वाहन मालिक को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों से अवगत कराते हुए समझाइश दी। पाल एवं जिला परिवहन अधिकारी एसबी रावटे ने बस चालकों को सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने को कहा, खिड़कियों में जाली होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया की बस में 2 शिक्षकों या शिक्षिकाओं को रहना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों को घर छोड़ते समय दिशा का ध्यान रखे, घर के विपरीत ओर की सड़क में बच्चों को ना उतारे, बच्चों को स्वयं सड़क पार करने ना दे, यदि परिजन उन्हें लेने आए, तो बच्चों को परिजन के सुपुर्द करने के पश्चात एवं बच्चों के सड़क पार करने के बाद ही वाहन को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा की स्कूल वाहनों की नियमित जांच की जायेगी, कमोबेशी पाए जाने पर जुर्माने के साथ ही कड़ी कार्यवाही होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in